PUNJAB KESARI (02.12.2016)

वाईएमसीए बनेगा राज्य का पहला कैशलेस विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय में पूर्णत: नकदी रहित ई-ट्रांजेक्शन कार्य प्रणाली विकसित करने के उद्देश्य से बुलाई बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। *(रजत चौधरी)*

- **कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की घोषणा**
- **अब से सभी तरह के लेन-देन ई-ट्रांसजेक्शन से होंगे**

फरीदाबाद, 1 दिसम्बर (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय परिसर को पूर्णत: कैशलेस बनाने की दिशा में अहम निर्णय लिया गया है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय में सभी प्रकार के लेन-देन पूर्णत: नकदी रहित किये जाये तथा यह सुनिश्चित किया जाये कि विश्वविद्यालय परिसर में लेन-देन के लिए विभिन्न प्रकार की ई-ट्रांजेक्शन की व्यवस्था हो। विश्वविद्यालय में पूर्णत: नकदी रहित ई-ट्रांजेक्शन कार्य प्रणाली विकसित करने के उद्देश्य से बुलाई बैठक में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने वित्त नियंत्रक तथा लेखा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय में लेन-देन एवं भुगतान के लिए डिजिटल मोड की सभी पद्धतियां की शुरूआत की जाये, जिसमें स्वाइप मशीन, ई-वालेट व मोबाइल के माध्यम से लेन-देन शामिल है। उन्होंने वित्त एवं लेखा विभाग को कैशलेस प्रणाली को कार्य रूप देने तथा इस संबंध में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में किसी भी प्रकार का नकदी भुगतान स्वीकार न किया जाए। उन्होंने कहा कि इलैक्ट्रॉनिक लेन-देन एक साफ-सुथरी व्यवस्था है, जिसमें लेन-देन के कार्यों में पारदर्शिता आयेंगी तथा समय की भी बचत होगी।

दाखिलों को आनलाइन करने की जाएगी व्यवस्था-: बैठक में बताया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा मौजूदा अकादमिक वर्ष से दाखिले के लिए विद्यार्थियों को ऑनलाइन भुगतान को विकल्प दिया गया है। इस पर कुलपति ने कहा कि अकादमिक वर्ष 2017 से सभी प्रकार के दाखिलों को ऑनलाइन करने की व्यवस्था की जाए तथा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए ऐसी व्यवस्था सृजित की जाये कि दाखिले के अलावा विद्यार्थियों द्वारा फीस, बकाया तथा अन्य सभी प्रकार के भुगतान के लिए ऑनलाइन साथ-साथ मोबाइल, ई-वालेट व स्वाइप मशीन के माध्यम से कर सके।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में संचालित कैंटीन में भी विद्यार्थी की सुविधा के लिए ऐसी व्यवस्था बनाई जाये, जिसमें विद्यार्थियों के पास ई-भुगतान का विकल्प रहे।

नेटबैंकिग और फोन बैंकिंग के प्रति किया जाएगा जागरूक-: कुलपति ने कहा कि कर्मचारियों को प्रेरित करने नेटबैंकिंग और फोन बैंकिंग के इस्तेमाल करने तथा सुरक्षा उपायों को लेकर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जाये। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे व्यक्तिगत लेन-देन भी प्लास्टिक मनी, ई-वालेट या मोबाइल के माध्यम करें। इससे समय की बचत होने के साथ-साथ बैंकों की अनापेक्षित भीड़ को भी कम करने में मदद मिलेगी।

DAINIK TRIBUNE (02.12.2016)

वाईएमसीए होगा पहला कैशलेस विश्वविद्यालय

फरीदाबाद, 1 दिसंबर (हप्र)

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा विश्वविद्यालय परिसर को पूर्णतः कैशलेस बनाने की दिशा में निर्णय लिया गया है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय में सभी प्रकार के लेन-देन पूर्णतः नकदी रहित किये जाये तथा परिसर में लेन-देन के लिए विभिन्न प्रकार की ई-ट्रांजेक्शन की व्यवस्था हो। ई-ट्रांजेक्शन कार्य प्रणाली विकसित करने के उद्देश्य से बुलाई बैठक में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने वित्त नियंत्रक तथा लेखा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय में भुगतान के लिए डिजिटल मोड की सभी पद्धतियों की शुरूआत की जाये, जिसमें स्वाइप मशीन, ई-वालेट व मोबाइल के माध्यम से लेन-देन शामिल हैं। विवि के आधिकारिक बैंक इंडियन ओवरसीस बैंक के मैनेजर ने कुलपति को भरोसा दिलाया कि वे विवि को कैशलेस बनाने में पूरा सहयोग देंगे।

बैठक में संकायाध्यक्ष डॉ. संदीप ग्रोवर, डॉ. सीके नागपाल, डॉ. एसके अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा, मुख्य छात्रपाल डॉ. विकास तुर्क, वित्त नियंत्रक डॉ प्रदीप कुमार, के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 02 December 2016
epaper.punjabitribuneonline.com/c/15063278

DAINIK JAGRAN (02.12.2016)

वाईएमसीए को प्रदेश का पहला कैशलेस विश्वविद्यालय बनाएंगे

दाखिले के लिए विद्यार्थियों को ऑनलाइन भुगतान का विकल्प दिया

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : नोटबंदी के बाद हर जगह कैशलेस भुगतान प्रणाली की जरूरत महसूस की जा रही है। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने इस दिशा में अहम कदम उठाए है। बृहस्पतिवार को बैठक में विश्वविद्यालय प्रबंधन ने परिसर में सभी लेन-देन पूरी तरह नकदी रहित किए जाने की घोषणा की। विश्वविद्यालय का अधिकारिक इंडियन ओवरसीज बैंक इसमें मदद करेगा। फिलहाल भुगतान के लिए नकदी व कैशलेस दोनों विकल्प रखे गए है। नए साल से विश्वविद्यालय को पूरी तरह कैशलेस करने का लक्ष्य रखा है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में लेन-देन एवं भुगतान के लिए डिजिटल मोड की सभी पद्धतियां शुरू की जाएंगी। स्वाइप मशीनें खरीदी जाएंगी। ई-वॉलेट, पेटीएम व मोबाइल के माध्यम से लेन-देन शामिल किया जाएगा। मौजूदा अकादमिक वर्ष से दाखिले के लिए विद्यार्थियों को ऑनलाइन भुगतान का विकल्प दिया गया है। अकादमिक वर्ष 2017 से सभी प्रकार के दाखिलों को ऑनलाइन करने की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा विश्वविद्यालय परिसर में संचालित कैंटीन को भी कैशलेस किया जाएगा। कर्मचारियों को नेटबैंकिंग और फोन बैंकिंग के इस्तेमाल करने तथा सुरक्षा उपायों को लेकर जल्द कार्यशाला आयोजित होगी। बैठक में संकायाध्यक्ष डॉ. संदीप ग्रोवर, डॉ. सीके नागपाल, डॉ. एसके अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा, मुख्य छात्रपाल डॉ. विकास तुर्क, वित्त नियंत्रक डॉ. प्रदीप कुमार मौजूद थे।

वाइएमसी में दी जा रही स्वाइप मशीन से भुगतान की सुविधा।

DAINIK BHASKAR (02.12.2016)

कुलपति ने दिए निर्देश : सभी लेन-देन ई-ट्रांजेक्शन से हों, कैश न लिया जाए

फरीदाबाद | वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पूरी तरह कैशलेस होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय में सभी प्रकार के लेन-देन पूर्णत: कैश रहित किए जाएं। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विश्वविद्यालय परिसर में लेन-देन के लिए विभिन्न प्रकार की ई-ट्रांजेक्शन की व्यवस्था हो। विश्वविद्यालय में पूर्णत: कैश रहित ई-ट्रांजेक्शन कार्य प्रणाली विकसित करने के उद्देश्य को लेकर एक बैठक हुई। इसमें कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने वित्त नियंत्रक तथा लेखा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय में लेन-देन एवं भुगतान के लिए डिजिटल मोड की सभी पद्धतियों की शुरुआत की जाए। इसमें स्वाइप मशीन, ई-वालेट व मोबाइल के माध्यम से लेन-देन शामिल है। उन्होंने वित्त एवं लेखा विभाग को कैशलेस प्रणाली को कार्य रूप देने तथा इस संबंध में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में किसी भी प्रकार का कैश भुगतान स्वीकार न किया जाए। बैठक में कहा गया विश्वविद्यालय द्वारा नया अकादमिक वर्ष से दाखिले के लिए विद्यार्थियों को ऑनलाइन भुगतान का विकल्प दिया गया है। इस पर कुलपति ने कहा कि अकादमिक वर्ष 2017 से सभी प्रकार के दाखिले ऑनलाइन करने की व्यवस्था की जाए। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा के लिए ऐसी व्यवस्था सृजित की जाए कि दाखिले के अलावा विद्यार्थियों द्वारा फीस, बकाया तथा अन्य सभी प्रकार के भुगतान ऑनलाइन के साथ-साथ मोबाइल, ई-वालेट व स्वैप मशीन के माध्यम से कर सकें।

PUNJAB KESARI-J (02.12.2016)

सभी तरह के लेन-देन ई-ट्रांसजेक्शन से होंगे

फरीदाबाद, (नवीन धमीजा): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा विश्वविद्यालय परिसर को पूर्णत: कैशलेस बनाने की दिशा में अहम निर्णय लिया गया है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय में सभी प्रकार के लेन-देन पूर्णत: नकदी रहित किये जाये तथा यह सुनिश्चित किया जाये कि विश्वविद्यालय परिसर में लेन-देन के लिए विभिन्न प्रकार की ई-ट्रांजेक्शन की व्यवस्था हो। विश्वविद्यालय में पूर्णत: नकदी रहित ई-ट्रांजेक्शन कार्य प्रणाली विकसित करने के उद्देश्य से बुलाई बैठक में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने वित्त नियंत्रक तथा लेखा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय में लेन-देन एवं भुगतान के लिए डिजिटल मोड़ की सभी पद्धतियां की शुरूआत की जाये, जिसमें स्वाइप मशीन, ई-वालेट व मोबाइल के माध्यम से लेन-देन शामिल है। उन्होंने वित्त एवं लेखा विभाग को कैशलेस प्रणाली को कार्य रूप देने तथा इस संबंध में रिपोर्ट देने के निर्देश दिये। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में किसी भी प्रकार का नकदी भुगतान स्वीकार न किया जाये। उन्होंने कहा कि इलैक्ट्रॉनिक लेन-देन एक साफ-सुथरी व्यवस्था है, जिसमें लेन-देन के कार्यों में पारदर्शिता आयेंगी तथा समय की भी बचत होगी। बैठक में विश्वविद्यालय के अधिकारिक इंडियन ओवरसीज बैंक की शाखा प्रमुख ने कुलपति को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय में कैशलेस व्यवस्था सृजित करने के लिए की जा रही पहल में बैंक द्वारा पूरा सहयोग दिया जायेगा। बैठक में संकायाध्यक्ष डॉ. संदीप ग्रोवर, डॉ. सी. के. नागपाल, डॉ. एस. के. अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. एस. के. शर्मा, मुख्य छात्रपाल डॉ. विकास तुर्क व वित्त नियंत्रक डॉ प्रदीप कुमार के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

THE PIONEER (02.12.2016)

Haryana deputes administrative secretaries for cashless campaign

PNS ■ CHANDIGARH

To promote digital payments in a big way to move towards a cashless society, Haryana Government has deputed administrative secretaries to supervise the awareness campaigns to be organised on war footing in various districts of the State.

The State Government will launch a massive awareness campaign to promote digital payments in Haryana, which would begin with seminars of opinion makers to be held in all districts on December 2.

All deputy commissioners would organise the seminars, which would include the Member of Parliament and Members of Legislative Assembly of the district, said an official spokesman.

These seminar would also be attended by Chairman and Members of Zila Parishad, Chai[...]

The State Government will launch a massive awareness campaign to promote digital payments in Haryana, which would begin with seminars of opinion makers to be held in all districts on December 2

and Rewari, respectively.

Meanwhile, to make its campus cashless, YMCA University of Science and Technology, Faridabad Vice-Chancellor, Prof Dinesh Kumar, has issued directions to make all types of transactions cashless and to ensure provision of facility of different types of e-transactions in the campus.

PK Mahapatra, Dhanpat Singh, Vijai Vardhan, Rajni Sekhri Sibal, Sanjeev Kaushal, VS Kundu, PK Das and Alok Nigam, respectively.

RR Jowel, Amit Jha, SN Roy, Mahavir Singh, Sumita Misra, Anil Malik, Shrikant Walgad and. Abhilaksh Likhi would supervise the campaign in districts Sirsa, Kaithal, Hisar, Bhiwani, Fatehabad, Panipat, Jhajjar

Jan Dhan account holders and that 100 per cent of the RuPay cards were activated, as the Central Government had issued instructions to banks to achieve this target by December 5, said the spokesman.

Out of 54.87 lakh Jan Dhan accounts, RuPay cards have been issued to 46.37 lakh account holders till November 23, of which only 33.69 lakh RuPay cards had been activated by October 31, 2016.

He said that the administrative secretaries would also launch a campaign to open bank accounts in respect of those workers of organised and unorganised sectors who do not have their own bank accounts. Special camps would be organised at every Labour Chowk in all towns by Department of Labour in coordination with lead banks.

The senior bureaucrats would also ensure installation of POS machines in government offices where cash payments are received, apart from utilisation of Common Service Centres both for creating awareness and installation of digital payment apps on mobile phones of the people in the villages.

Apart from this, meetings of college principals, principals of senior secondary schools and school headmasters would also be held and it would be ensured that they receive non-cash receipts in their organisation. The Secretaries would also focus on creating awareness amongst principals, headmasters and teachers of Education Department through messages telecast on the EDUSAT network.

Th[...]cretaries have also be[...] ensure the de[...]ment of [...]nemployed post[...]nder 'SAKSHAM Scheme' of Employment Department for creating awareness and assisting in uploading of digital payment apps. They would have a tie-up with Financial Literacy Unit of the banks at the district [...]

Meanwhile, to make its campus cashless, YMCA University of Science and Technology, Faridabad Vice-Chancellor, Prof Dinesh Kumar, has issued directions to make all types of transactions cashless and to ensure provision of facility of different types of e-transactions in the campus.

THE PIONEER-HINDI (02.12.2016)

वाईएमसीए में होगा कैश लेस ट्रांजेक्शन

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद ने विश्वविद्यालय परिसर में सभी प्रकार के लेन-देन पूर्णत: नकदी रहित करने तथा लेन-देन के लिए विभिन्न प्रकार की ई-ट्रांजेक्शन की व्यवस्था करने का निर्णय लिया है ताकि परिसर को पूर्णत: कैशलेस बनाया जा सके। विश्वविद्यालय में पूर्णत: नकदी रहित ई-ट्रांजेक्शन कार्य प्रणाली विकसित करने के उद्देश्य से बुलाई बैठक में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने वित्त नियंत्रक तथा लेखा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय में लेन-देन एवं भुगतान के लिए डिजिटल मोड की सभी पद्धतियां की शुरुआत की जाए, जिसमें स्वाइप मशीन, ई-वालेट व मोबाइल के माध्यम से लेन-देन शामिल है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में किसी भी प्रकार का नकदी भुगतान स्वीकार नहीं किया जायेगा। इलेक्ट्रॉनिक लेन-देन एक साफ-सुथरी व्यवस्था है, जिसमें लेन-देन के कार्यों में पारदर्शिता आयेंगी तथा समय की भी बचत होगी।

AAJ SAMAJ (02.12.2016)

कवायद कुलपति ने सभी विभागों को दिए नगदी रहित लेनदेन करने के निर्देश

'वाईएमसीए' को कैशलेस बनाने की पहल

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय परिसर को पूर्णत: कैशलेस बनाने की दिशा में गुरुवार को अहम निर्णय लिया गया है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय में सभी प्रकार के लेन-देन नगदी रहित किए जाएं तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि विश्वविद्यालय परिसर में लेन-देन के लिए विभिन्न प्रकार की ई-ट्रांजेक्शन की व्यवस्था हो। विश्वविद्यालय में पूर्णत: नगदी रहित ई-ट्रांजेक्शन कार्य प्रणाली विकसित करने के उद्देश्य से बुलाई बैठक में कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने वित्त नियंत्रक तथा लेखा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय में लेन-देन एवं भुगतान के लिए डिजिटल मोड की सभी पद्धतियों की शुरुआत की जाए, जिसमें स्वाइप मशीन, ई-वालेट व मोबाइल के माध्यम से लेन-देन शामिल है। उन्होंने वित्त एवं लेखा विभाग को कैशलेस प्रणाली को कार्य रूप देने तथा इस संबंध में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में किसी भी प्रकार का नगदी भुगतान स्वीकार न किया जाए। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक लेन-देन एक साफ-सुथरी व्यवस्था है। बैठक में संकायाध्यक्ष डॉ. संदीप ग्रोवर, डॉ. सीके नागपाल, डॉ. एस के. अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा, मुख्य छात्रपाल डॉ. विकास तुर्क, वित्त नियंत्रक डॉ. प्रदीप कुमार, के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। आज समाज

HARI BHOOMI (02.12.2016)

पहल | वाईएमसीए विश्वविद्यालय को राज्य का पहला कैशलेस विश्वविद्यालय बनाने की पहल

सभी तरह के लेन-देन होंगे ई-ट्रांजेक्शन

• वित्त एवं लेखा विभाग को कैशलेस प्रणाली को कार्य रूप देने तथा इस संबंध में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए